

I	163
PUBLISHED	

ककनीवाकाजकिगु जगि दुःकायानां ॥ संक्रिपीसुन सिपा हिरसकल्य विभामयानां गयागल ॥ पुनर्बलि अनुगजजाजा.
नंरुसां जगि गगनं नरुयावी म् ॥ ज्वाज सजरा सांगयां वाकल्यदागडा ॥ कर्बलक धुनि धु सधु सधु सधु सधु सधु
काडा किगडल ॥ ॥ जगि वन ज्वाज ॥ जल्यजा लिपु ज्वाज सजन नंरुसां जगि गगनं वानां अनु
गजजाजानं सलयातु भामयाय मरुयां ॥ जगिनं इजवनागल्य धनकयनां ॥ जल्यजा अनुगजजाजा रसां सज म्
नंरुगुडाल ॥ म्कारवेन ॥ जलजा अनुगजजाजा रसां म्कारुयां ॥ ॥ कर्बलहानं म्कारुयां काडा चगु नाद
याडा सली ॥ पडा सैन सिपा हिरसकल्य विभामयानां ॥ ससं मदयाडा वान ॥ कर्बलहानं धर्मगयाडाना जस
जलं मदयाडा वान ॥ अनुगजन ज्वाज रवति ॥ जल्यजा अनुगजजाजा या मरुसां ज्वाज रसां ॥ जाडा जिगनडान्य
गलया न्यका अनुगजजाजा रसां मियीजकदनाडा उर्य धुर्य सयां ॥ वागव रवति ॥ रमियाजक पानां वाग नगल कग
रवनाडा ॥ जल्य अनुगजजाजा रसां जगलया समीपसद भया ॥ काया समीपस वान ॥ ॥ गदा सिद पसरा

वदुःखः जममानाति सुंदरा ॥ पुनर्बलि जमनक ॥ काना मरुया वागुद ॥ सवासयाना वापी जपसरा गलपि म्पिहा
डाल ॥ पुनर्बलिडा जपसरा पीगपीया ॥ जगि सुंदरन ॥ ज्वाज ननं सुंदरन ॥ ज्वाज ननं सुंदरन ॥ ज्वाज ननं सुंदरन ॥ ज्वाज ननं सुंदरन ॥
नंरुगुजजाडाना वापी ॥ रमिगडा विकुगु गलील रसां वापी ॥ उजापी जपसरा प्य म्प्या हाडयाडा ॥ म्पुजव वनन ॥ वदा
कामलगुव रनगयाडा ॥ अनुगजजाजा यागु रवाज ॥ म्पुज नंरुसां ॥ ॥ जपसरा वननं सुता ॥ ॥ क्वागु
गजजाजा जमवि काई क लपीज वि काय धनजा ॥ कलपाजया ॥ पजील जगनं नंरुसां मरुजा ॥ जगप जीपुर्लुथं ॥ ॥
नगल संपूर्ण नंरुसां पजीपुर्लु रसां वागु ॥ ॥ जगु मनाह जरा वागु नगज वि काई रसां ॥ ममवगु धेन जगि कदानः
जिपी प्यसि केजगि कदायाना म्पिगवि काई ॥ जमकि नगज ॥ जिका जारव स्वामी जगनं सुखरुता ॥ पुनर्बलि ॥ ज
मकज ॥ यागु नगलया ॥ जिकि पति स्वामी रसां ॥ जगनं सुखरागयाना वि काई ॥ काज सुखरु कप जग ॥ सुखरु याक पजास

पुनर्बलसदायनगजयाजाजगृहसंविद्यानाडं डिमीनजसर्जगया नाविकाई कलपायं भानंदननं ॥ ५५५ काच्या क
 अपसजापिसः अनुतेज जाजा यात्र विगिया नाहाजा ॥ नानाप्रकाशन ॥ नानाप्रकायं हाजाडी सदायनगजसजाजकुल
 सवीनायनकुल ॥ अंकपुत्रकीमलंपरी ॥ ५५५ ॥ अंकपुत्रकीमलगुवचयानाडी अंकपुत्रसइकवीनायनाडी ॥ अ
 नगलजनेकुल ॥ अनरगु हाजनयाकाडं सुरव भानंदनंतयागल ॥ ॥ अष्ट अपसजागलनकामिनक
 नानजागल ॥ सुखहागल ॥ पुनर्बल अनुतेज जाजानं या अष्ट अपसजा याक नति कुदायानाडी ॥ सुख भानंद हागया
 नाडीवीन ॥ ॥ बहुवर्षनषषवर्षनदसवर्षनरवर्ष ॥ पुनर्बल पदपूड डिदयाडासली ५५५ अनुतेज
 जाजायामनइ सा सदायनगल वीनगु ०० क्वा मइयाडी अनंदकुल दि ५५५ पाखाडी नगु ०० क्वा याना विद्याग ॥
 अलेजाडी अपसजागल पिसिदकुल दि ५५५ विद्याय मय ५५५ अनगपु कायं गना हाजा वान ॥ अनुतेज मन
 दकुलन जागगा ॥ अनुतेज जाजा असादकुल दि ५५५ अकडी नगु मनइ या वान ॥ सदायनगल वीनगु मनमइ ॥

कवल अत्यजाजगलगागा ॥ दकुल दि ५५५ असां नयाडी प्रखानयाना विद्याग ॥ नंदनन अनुतेज नपू जाकुतं ॥ अत्यजा ५५५
 अनुतेज जाजाइसा नंदन धयागु नगजसकगु रव न्यदयडी ॥ अनंद धयागु नगजया दा कावाहाजी ५५५ कावाजा वान ॥ नंदननग
 जजागृहषू जाकुत अपसजन अनुतेज जागगावया ॥ कवल अत्यजा धनंदन धयागु नगज वीनावापी डिं प्रम अपसपिं
 स्य अनुतेज जाजाडयावागु समायात्र सियकाडी ॥ कवल अत्यजा धनंदन धयागु नगज वीनावापी डिं प्रम अपसपिं
 जाकपजाकनाडी नाडी हा २ सनं जाजागृह न जागगा ॥ जाजवायं डिं प्रम अपसजा पिपिहाडी ५५५ अनुतेज जाजा यागुरवा
 नययाड विगियाग ॥ गुगुपकायं विगियाग जा असा ॥ अनुतेज कुलजं जागगा वया ॥ हमहाजाजा अनुतेज कलपायया वि
 द्याय धूनजा ॥ कलपायया गजील भानंद इमरव जा ॥ जागगा २ अडी विद्याई ॥ हमहाजाजा अनुतेज ॥ कलपाय विद्या
 यी ५५५ डिं पी साकयाडी वाना ॥ अनगलंदायनपूजाकुतं ॥ ५५५ अनुतेज जाजा कलपाय विद्यायी ५५५ अनगवसुनं
 पजीपूल्हयाडी वागुइहपूर ॥ जागगा ॥ अडी विद्याई डिमीगु जाजगृह वाना विद्याई ॥ जस हागलनपूजाकुतं ॥

हे अनुभज जाजा जिपा डिंखु म्पसरापिद जसराग यानाः धनगल सुखेन आगगाः सुख आनन्दनं कलपाल विद्यानाथः
कलपालयाय धर्मसुख आनन्दं विद्याई ॥ यथां रयया सुखं रत्याः ॥ यथा रयत्याना सुख आनन्दनं विद्याना धनं न्दधया
गुनगले वदिवा यय धर्मिणा विद्याईः ६ अनुभज जाजा आनन्दनं विद्याई धका ॥ वंदित्या धयनमस्का जयाग ॥
पुन्यात्मा अनुभजन ॥ केवल अष्टपुल्लया आत्मा इया वाक् अनुभज जाजानं ॥ धाद धर्मपस जाजग गिय्या कर्तं सुखेन
सामीन आनन्दनं कर्तं ॥ केवल पुल्लया आत्मा इया वाक् अनुभज जाजानंः डिंखु म्पसरापिद जसराग याना डि
नेन्दन धया गुनगले कसां सामी इया डिं आनन्दनं हाग याना डि या वा पिद र्वद डिद दया अं स्या जी ॥ धनगल वा न्दगु
काम इया अलः द कलने आवयं ॥ द कल दि अपा र्व डि न्दगु जक म गिरया वा न ॥ धाद धर्मपस जिन न आवयं ॥ हे पुन
अनुभज जाजा कलपाल द कदि अस विद्याय मय ॥ अनपुकार लह कर्तं ॥ अनपुकार विनियाना गना वा न ध
पुनभज जाजा याग ॥ न विरुम वा धर्क ॥ केवल अनुभज जाजा याग साः विरु वा धम इया अं द कल दि अस डि न्दगु अष्ट

गुं का इया अनन्द धया गुनगलं नागा डिना डि द कल दि अस या पुस्तान याना डि नं ॥ उं भक्ति अननगलं पुजा कर्तं ॥ केवल
अष्टपुजा अनुभज जाजा इसा द कदी अस पा र्व डि डि वु म्पिदु ग धया गुनगलया समीप स धर्क विद्याग ॥ उं कर्तु ज जाजग
हे अपसरा अनुभजन गाग गा यथा समा वा न ॥ अष्टपुजा धर्क कर्तु अनगलया जाजका ज वा पी सुय निष्क अपसा जा पि
स अनुभज जाजा विद्याना थागु समा नाल सियका डिं हा र सनं सुय निष्क अपसा जा पी सनंः सुवर्ल कर्तं ॥ सुवर्ल या अली
को ना कप जा डि ना वु सा कर्तु अनगल या धका सी धर्क अल ॥ सुवर्ल पाद पुपेन ॥ केवल डि अष्टपुजा पी ग थी पी जा ध साः
पाद याग यागु लू यागु व र्ल धः अष्टपुजा सा सुगु धयनं म क्क तुय धयनं म क्क तुय पश्या वा पी सुय निष्क अपसा पी
अल ॥ केवल हा न ॥ उरी ल पुष्य पुपेन ॥ उरी पुस्तान या ह ध जाग ॥ मि र्वा इया वा न ॥ ए गि वा ग विगु स जी ल इया
वाग ॥ क या का जल ध सा ॥ धर्म पुन ॥ धर्म याग पुन नं धि क गु ध जी ल इया वा पी अष्टपुजा ॥ द दी प्य मान्यः
अष्टपुजा धय गु मागु गुप इया वा पी ॥ ध धि धय म ना वा पी अष्टपुजा म ॥ नो ह ज इया वा पी अष्टपुजा पी ३२ निष्क ॥

अयाअनुविनायकां लाहागवायकां विमियान ॥ गुगु काजं असा ॥ अनुतेजनकुमजं आगगायथा ॥ हमा हा ज
अनुतेज ॥ कलपालविस्काय अनजाकलपालया अजील ज्ञानं नदया वामरवजा ॥ आवथा ॥ अरविस्काई ॥ पुकीरु
जनगजनसुखज्ञाननेनपूजाकुरी ॥ हमा हाजां कलपालरुसां डिमीगुगु कां रुजनगलससुखज्ञाननदविस्काई ॥
आवथा ॥ अरविस्काई ॥ ॥ मानेनः मानेयाना जाजगहस वीनायन जप्रापीस्य ॥ कामल्पन आसननेनकुरी ॥
अन्यकामलाइया वागु आसनयाकाडी ॥ अमृगलोऊन माने ॥ अनगपुकारं सअजदया वागु अमृगलोऊनयाका
असुखज्ञाननेन विस्काकागज ॥ अनुतेजजाजायातु ॥ ॥ अनुतेजनपूर्वजर्मधर्मअनुगहजधनपुष्पपुला
वयं ॥ कर्वल अनुतेजजाजायापूर्वजर्मसधर्मअनुयेयवा ॥ दुन्यः अनुगहधनाअगु यापुष्पन ॥ अस्यनिकुश
प्रापीस्य मानया कासुखलागनेनुकां रुजनगजविस्का नाः महा ज्ञाननेनः ज्ञानंदनं सुखलागयाना वान्यद ॥

कर्वलः वरुडे गियप्राकुरी ॥ पुर्नवाल निदयाददयाडा सली उकां रुजनगजवासयायगुः ननु काः ॥ कामइयाअं अ
ननेदकलदि असडीनगु ॥ कायाग ॥ अत्यस्यनिकुशप्रापीस्य अनुतेजजाजायातु विमियान ॥ नानापुकार
न ॥ नानापुकारं वरुडे यानवीन ॥ नचिरुवाधन ॥ पुर्नवाल अत्यजा अनुतेजजाजाया विरुवो धमइयाअदकलदि अ
सडीनगु अक ॥ कामइयाअं अमी रुजनगलंगागाडोदकनदि अससुखाअनंपुष्पानयानाडा अनं ॥ इ गियः वरुधनपुः
जाकुरी ॥ अलजा निजाऊनपडाऊनडान्य धसली ॥ अत्यवालकाहमीपुयागः सा विविधादिगं ॥ कर्वल अत्यजा अन्यग
धनावागु समूडकगु खनदयाडाल ॥ अलजा समूडे वागुः गफः बालकाअय ॥ अत्यंतका नावागु दिसससीदया वान ॥
कर्वल अदिसससीग धीजागु असा ॥ अग्निनामन ॥ मिकीया वागु धं महाका कल्पमाननं धिनावागु खनाडाः अनुतेज
जाजायामि अग्निने सनसखाएव ॥ संखाइया वान ॥ हाहादेव समुद्रनपात्रन ॥ हेदेव अथधीजागु समूडधधीजागु
कागु दिसससीग धं गजयानाअन्य धकारापा वान ॥ धंदाअन ॥ अत्यंतधंका कया वान ॥ समुद्रमागिजयाना वान ॥

८ नकाउंनु नदागण जाउपुणससनि ॥ १० ॥ अलजा समुडया निजवाना बागवषन ॥ वदाहयं करीत थो क मऊंनु कू कू
 थं कडील ॥ ना पवनखया ना कू नगभवा नवरत्नक ॥ ऊं कू नागं अतुगज म बावपजिवाधिगम ॥ ११ ॥ कवल अऊंनु गधि म
 जाधसा ॥ नखिखः सजनेमखः गणहायानमखः ॥ उषः उथनमखः ॥ नगभव ॥ सानमखः ॥ थथं वा अथं वा धका धय
 मजीयाया मू अथीजा मऊंनु कू कू सनं अक समा माग नं डया डी अतुगज जा जायाह अ न्य थं कडीया डी अजं ॥ हमानव
 ह मनूष्य थथीजागु दिससजसमी क गनेनं थं कडीयाः क गथा डी ने ह मनूष्य ॥ पादकर्मजन ॥ कंठु गिजा अयग को मय
 गुगु गिजा मा नाग ॥ डी दिससमी गथा डी ने ॥ कर्बलः कूतः समागता अतुगज तं कूत गक गि ॥ पष्ट पुमो ग शा जा ह सः
 जयंगफ वाज काग ॥ १२ ॥ कवल थ दिसजा र्वा वाहमी थं वागुली न्यासी डी न्यगु थं शया वी न ॥ कनेडी न धसा ॥
 पालिगु पात्र कयी ह मानव ॥ अथवा का जल कने थ दिससमी समुडग ये ये याना डी न्यगु ॥ काकसा ॥ डिगु मे
 वा ना डी यः अत्यक न किन समुड पाज अ याना डी का य ह मानव ॥ अगु प्रकारं ऊंनु यागु वचन्य ना डीः अतुगजन अ

गगमनेहर्षमानया नाडी ॥ १३ ॥ आदि थं अतुगज गुत्या अतु समववा ॥ कर्बल अत्यजा अतुगज जा जानं ऊंनु या गुगि थ
 खजसं नमस्का ज या नावः डी ऊंनु या ग या डी ॥ अतिजल वृद्ध धर्मसंघ याग नामक या डी अक थिगु या ना डी ग या
 या ॥ वायुधरा नऊंनु नन पूजा कूत ॥ अलजा उगु वषग डी ऊंनु वायु धरा नी आका ॥ म डी ना डी कू न मागु नं समुड
 न थ या ना समुडया निजस थं का डी निजग या विल अतुगज जा जा याग ॥ पुनवाल अल जा डी ऊंनु कू सा अंक धन कू या
 विष्ठाग ॥ १४ ॥ अतुगज जा जलापडु समाज ह ॥ नीयगज गु नागनः यमपूया स्वसनि ॥ कवल थ लाइ सा डी गुग
 गा डी न्यध सलीः अतुगज जा जाइ सा दक ल दि अ सइ सा थ या प्र कान या ना डी ने ॥ अतुगज न दा स व ला ऊंनु नं गि ना द योः
 न दा सो अतुगजः अका नि वि सम या विग ॥ अतुगज कू ना यागः कूत संगे म स धना ॥ मागक अतुगज वं य मा दाय क दा वन ॥ १५ ॥
 अत्यहानं अतुगज जा जाइ सा दक ल दि न पा र व थ या डी डीः यम जा जा या धन इ सा थ न क डी ने ॥ अत्यजा उर्म दाय

पापीपुत्रधनकुत्सावय॥ अनुगुजजायावचनइतांननाडां॥ पापीसुइयावापीपुत्रधनीसं॥ महापुत्रधन
पूर्वउर्मेनमि विद्यागं पापनभसना॥ हेमाहापुत्रधनकिमीसंइसांपूर्वउर्मेइसांममपीसिस्वकाइयागुलीः॥ पाप
ने॥ अडागुसासनानयावाचनमात्रहमाहापुत्रधन॥ इतपालइहानीगअनुगुजसमागन॥ अनुगुजगदाइयः यमजाइस्य
समिओ॥ कर्बलउडापीपापीसुपिगुयन्यनाडादकुलदिअपाखडानं॥ पुनर्वालअत्यडाउनमद्यतसहानंमिजागुकु
खन॥ डायगुजागुकथंसासनायानागलअसा॥ सिमाकुमाखायाडाकात्रसप्यहिनाडासप्यअन्यानाडाकनकुसका
डोगजःडमीसाखनावानः॥ सात्रनमासहाकुलः॥ गगुसकुलअनुगुजइत्ता॥ कर्बलहानेखिवाभिन्नस्थनडाहेमिताया
नन्यानावान॥ गनअसाःपंपात्रनानावाननाइसाकुवाइयक॥ हिनेत्यनावान॥ पथायानावागुअनुगुजजा
खनाडां॥ महाकुर्जइतन॥ इकुत्तुशवयवायावानः॥ अलडापापीसुपिअत्र॥ गगुप्रकात्रअत्रलाअसा॥

हसिजातिमिसातकिपीसुखगुमखकुयानिती॥ इखकषुनखु॥ इखमियावाना॥ कषुनयावानाःहसिजागी॥
पापीसिजागुनःमहापुत्रधनसंवाद॥ हेमाहापुत्रधनअकूयायडिनपूर्वउर्मेइसांममस्वामीनिदाययत॥ ४
डिमीस्वामीयातुनिद्यानाडाःमवपुत्रधनार्पकामकिद्यावानाडायोगुली॥ ममजसगधनखुकि॥ जसहा
गयानावानाडिःममपापिजमहाइखकषुखु॥ अथाकात्रलधपापडिगवागुजानावानहमाहापुत्रधन॥
कर्बलमहाइखकषुननयावानाअकूयाय॥ गगुथनली॥ माहापापीसुवचलदकुलदिगुलअव
या॥ अत्यजाअनुगुजजाडापापीसुपिनागुवनन्यन्यधूनकाःहानदकुलदिअपाखम्यवगुथनेष्व
अन॥ ॥ दकुलअथामयवकुलसितिकुचनेजकुअगा॥ अत्यजाहानपापीसुपुत्रधनकुअइसाखन
गगुप्रकात्रसासनायानागलअसा॥ मसुसअथामयवकुइसाहिगुहियकाडिनयागुवमसुकसववा

नाअमृत्यजाकृपुशसापिहाअयावान॥ पापीसुअयामयवकुलः अनुगजनाजिलहत्यासंवादलवागा॥ अत्यजापापीसुअया
वाअपुत्रषयाअयामयवकुहियकाअंमसुकससवाकाअं पुशसापिहाअंयावाअं अयाअः अनुगजनाजाआं विरु
साहनाअपापीअपुत्रषयाखालवया अस्तदयकल॥ उगुकात्रं अत्रलाअसा॥ हापापीअकनपापिनमहाइः र्वेल
संवादयत॥ हपुत्रषकसुखगु अरव अमजागुइः र्वकायनयावाअमालुहमाहापुत्रष॥ माहापुत्रषपूर्वजमरुहानल
मायाइः र्वेपिअकृठ अगगावया॥ हमाहापुत्रषअकृयायडिइसापूर्वजमसमामयाअ अहानीइयाअइरव विठ
वियाअया॥ मामयाअयागुलीः अथवागुगिपांकगुली॥ मामयाअरवयकाहायकाअयागुलीइः र्ववियाअया
गुली॥ समपापिलइः र्वकसुल आवया॥ अकृयायहमाहापुत्रषथपीजागुइः र्वकसुनयापापदाहइयकाअ
वाअमावावान॥ अनुगजं सुत्तायेनदकदि अशवया॥ थपीअगु अनुगजनाजानंयनाअहानंदकदि अपाखाअनं॥

अनुगजं लसुविसुखलपुउकदहाअवया॥ पुनवाल अत्यजासुवीमरवध्याअननकाकगुलीपुउकसुखनंः अंपुया
गुअगुसासनायानालनाअसा॥ सुविसुखलपुउउकपयवगुलकलंनह स्तारव॥ पुनवाल अयजा अनुगजनाजा
नसुविसुखधया अंपुउकसुइसांखनं॥ कर्तलअपुउगपीअनाअसाः प्याजाअसापवगुधंः अगुजाअसामूत्रयावा
काअकृनावानः गपजाअसा अविदीपुइयावाअ॥ हानं पगुकन्यवाअसंजाअसा रवाकपागुगाकपयावानः अपीः
जाअपुउकसुइसाः अनुगजं हत्या॥ अनुगजनाजालंरवनाअअज॥ उगुकात्रं अत्रलाअसा॥ अहाआ अर्यरि
यानकनमूत्रहिउगुपुअकमूत्रगीहस्ता॥ अहाआ अर्य थपीजाअरयानकमूत्रहिइयावाअः कवलउगुत्र
अइयावाअसुखगुअरवधका अनुगजनाजालंहावावान॥ सुविसुखपुउसंवादनअवया॥ अत्यजा
असुविसुखपुउलं अनुगजनाजायाकृडाअविमिवाअ॥ उगुकालंअसा॥ पूर्वजमनगुमाननदानधर्मविधुअगगा॥

हमाहापृष आकृयाय दिन जा पूर्वज मरुतां मा नीश्याः मयया दान अर्मयाना वागुली दान अर्मगनाडा विद्युयानास्यः
काडयाउ पापं ॥ नराक्षल सुवीमरविके नृपपुमरव इः रवकष्ट लपिउया ॥ नयतो नृपुमदयकाडा विके नृपइयाडास
विमरवपुइयाडाः ॥ अजागुइः रवकष्ट नया वी नमाल हमाहापृष आकृयाय ॥ ॥ अनुगडद कल दि अभावया
पुनवाल अत्यजा अलीरव नय नकाडा ॥ हानं अनुगडजा आरुसां दकल दि असरुसा इ नय अक रसाडा नाडा स्वडा न
अत्यजा पापी अयुषक अरुसा रवनं ॥ उका असा ॥ नीलन दोह नृपल ॥ अयुषया सि अरुसा वि अरुसा ग काडा
नयः माहाग वी उं दाह इयकाडा ॥ महाकष्ट न ॥ महाकष्ट न नया वागु रवनाडा ॥ अनुगडं पापी सु सन मरुवन स वाद ॥
अत्यजा अनुगड जा जानं पापी सु पुषया ग रान नयाडा आ ह्रादयकल ॥ उगु काल असा ॥ हपापी पुषल
किपापेन अगता इः रवकष्ट न ॥ हपापी अयुषक नं कृयानाडायाः कुनिमी हि न रा नय उ सा सना कष्ट नया वी ना ४

काय इत्युया वीना ॥ माहापृषलः ममपाप पूर्वज मरुतां लपा नगमनिन आवया ॥ आकृयाय हमाहापृष दिन
पूर्वज मरुते अयुक्तलं रवगा नृपास बायकाडाः अं पीग दिन लं रवम लन काउ पापं ॥ मम अग्नि उल अगगा ॥ अथ
उ किम अमि उमग काडा वी नमाल दाहन इयकाडा वी नमाल ॥ मम इ रवन कष्ट ॥ आकृयाय इ रव सियाः
कष्ट नया वी नमाल ॥ हमाहापृष अकाहा ग वान ॥ ॥ अनुगडजा उदकल आवया ॥ पुनवाल अली रव नय न
काहनं दकल दि अपा रव स्वयाडा नं ॥ किपापे ल उकट स्ता ॥ अलेजा अशिपु अयाउ वना नृपइसा ॥ उकट कपा
पी पुषसा सना द स्ता ॥ सिमाया कृती ग याडा सा सना या नाग नय पुषक असीया ॥ डाइसा नया वान ॥ पापी पुष
य उं उहा ने न क आवया ॥ अरुलडा पापी ल या ग पी उ सा सना या नाग ल ग असा ॥ नयाउ रव ई नं अक अं उमग
काडाः अनाप धा न इयकाडा ॥ अक आवया ॥ हि रसा वावा हाडा यकाडा महाकष्ट इः रव सिया वी न ॥ पापी पुष द स्ता ॥

पा

अल्पपापीसुयास्मान् नृपाडाअन॥ उगुकाजअलजाअसा॥ कनपापनइत्यकएनरावथा॥ हपापीपुत्रपंककूकाज
उगुकाजलममअजाउइइत्यकएनयावनाकंअकाअनुतेजाजानाअजावान॥ ममपर्वजर्मनहिउविहविअसपा
नकेन॥ नृपायायजिनंपर्वजमसहिउविहमित्यइयाआपीविअसघागकयानाः हानंमवयागहूकाडाडायाउअप
नंथपीजाउइत्यकएनयावनामाल॥ हमाहापुत्र॥ अनुतेजनपापीपुत्रपलवचलंस्त्या॥ अल्पपापीसुयागुवः
वनेनयाडाअनुतेजाजानंनयाशहानंदकदिअपाएअन॥ उकपापीपुत्रपलयमंडुसासनाथा॥ अल्पजाहा
नंनपापीअपुत्रपककरवनावान॥ उजाउसासनायागलअसा॥ नयाअजाइसाकयाडाह्याडसक॥ अल्पहानं
कापाकजीनंकाकाडापापीपुत्रपयाअनुसइसाआलरुकाडासासनायानागलउरवना॥ अनुतेजसंवाधया॥ ह
माहापुत्रपापीसुकनंआमवयनाकइसाकयाजिगिघानागल॥ अनुतेजाजावचनपापीपुत्रपुकवावाक्यं॥

हमाहापुत्रपअकूयायजिनंपर्वजर्मसवृद्धधर्मसंघयाउधदवअधननजावथा॥ दवअधनसंप्रतिताहयानाष्या
कयानयाइयागुलीअपापंजीउदाहइत्यककाडाइः इत्यकएनयावनामालहिमाहापुत्र॥ अनुतेजाजलपापीपुत्रपव
चलंस्त्या॥ कर्तलपापीसुपुत्रपयागुवचइसान्यनाडाअनुतेजाजायामनस॥ संगपीआगता॥ स्वकसंगापवायाडाउ
र्मदाजलंलिहाडायअकामननरापाडावीन॥ ॥ अहअधनममजाईउदलगमनंजर्मदाजआगतावयाः
अहअधनजिनंपुजाअरुसागाइउदलसहिजाउः थपीजागुजर्मनाजायादाजसडायाडावानाः आइसांजिनंथडा
जायइसाडावेमाल॥ अउर्मदाजवानावानानंगअइयीआजिअननंडावाः अममजाअवासयहवासवनगजल॥ आइसां
जिगुवासवधयाउनगलेइसांलिहाडिन॥ अदकलदिअसउर्मजाजजर्मदाजलंलिहाडा॥ अधकाअन॥ अनुतेजा
जापितासागाकधर्मकित्यजाजानंः पुअनुतेजाजादअकपेनमरुगअधनमननंवच॥ कर्तलअनुतेजाजाया
पिताधर्मकित्यजाजानंथडापुअनुतेजाजाइसादेअकनसडावावाकः नाकालंमडायाडाअनुइलअकावानावा
न॥

मयादकं वज्रं तु सं प्रजं निवृत्तं ॥ पुनर्वाले जलजा जन धनुर्गज जाजाया इ सांः ॥ अजर्म जाजा याहु डी न्य थन क डी नाः
 वान इ य थं क ॥ ॥ मृदु विना निवा सन्नं ॥ सुखायं पय ग जाठ ॥ व सुखाय वने य म जाडं ॥ धनुर्गज सम व विन ॥
 जलजा जर्म जाजानं ॥ धनुर्गज जाजाया के न न ग गु पु का जं न न जा ॥ असा ॥ ह धनुर्गज जाजा क इ सां मृदु इ या डी क म
 र्क काय थन डी या ह धनुर्गज जाजा ॥ ५ गु पु का जं जर्म जाजानं न ना वान ॥ य म जाज दि द हः द र्प य स्व त्व या धु ना
 ॥ नि विह्ला पिणं पु त्या सु म र्दि य र्थ य न न ॥ जलजा धनुर्गज जाजानं ॥ अय म जाजा या हु डी न्य वाना कुता डी लो धय ॥
 जाहा निपा हा कल पा डी वि गिया नान म स्का य या न ॥ ॥ ७ क मूर्यं य यु वा ई नी त व र्ल् म हा क र्ल् ॥ य म द
 ७ य म पा ॥ ॥ क ल ॥ य य न पु द म ॥ पुनर्वाले ॥ अय म जाजा इ यी गु गु पु का जं वा स न जा ॥ ७ क मूर्य ध या गु ॥
 क पा र्वा ले इ या वा न ॥ व र्धु वा ई अ य प का हा इ सा द या वान ॥ नी त व र्ल् अ य डी व र्ल् इ सा इ या वी क ॥

क व ल य यु वा इ अ य ॥ प का ना गुं कू कू ध त्र पा डी वान जा ॥ अ गु ला हा गि स क ल स त्व पा लि पि ग इ सा ड अ य या ना वि क्का ना
 वान ॥ नि का गु ली इ सा द लु इ सा इ ना वि क्का ना वान ॥ र व ड गु म र्ज ला हा गि स र व र्ल् या क ल ॥ इ सां क ना वि क्का ना वान ॥
 हा ड गु नि का जा हा गि पा ॥ इ सां क ना वि क्का ना वान ॥ ७ ७ य वं य म जा डी तं ७ प द का स वि सि न ॥ पुनर्वाले ॥ अ धी जा क जर्म
 जाजा या हु डी न्य रु साः ॥ धनुर्गज जाजा इ सां हु डी न्य वाना डी वि गिया ना वान ॥ ॥ पि पि प नि ग दा ला क धनुर्गज स
 म व दी ग ॥ जलजा धनुर्गज जाजाया के ॥ अजर्म जाजानं गु गु पु का लं न न जा ॥ असा ॥ ह धनुर्गज क इ सां मृदु इ या डी क म
 र्क काय थन वी ना वी ना क गु क लि हा इ थन वाना वा न म र्क का ॥ अजर्म जाजा ग्रा ह्य द य का वान ॥ र व ग जा क स य जी
 उं द र्प यि तु लं म हा गि ॥ न दा इ गान् स मा इ य पि न प गि स म य वी ग ॥ क व ल धनुर्गज जाजा स प न्ना थं वी ना वान ग थ जा
 असा ॥ ७ गु जा क गा गा प धी जा गु जर्म द्रा प डी या व दा र य क ज गु न य मा जा वान मृदु इ या डी क म र्क व ली ग थं क ना ग लः

इतिः अमुगजाय मम गच्छं पदं रयः, अमुगजं गजपूतं इः खपिजानकूर्यति ॥ अमुगजगजाया पञ्च गच्छं अन्यधका वाना
वान ॥ कवल अमुगजगजाया सां इः खइया वान पञ्च गच्छं न च न्यमकू ननज नम द्वा प्रजक हिरु हिना कनागल अमुग
जगजाया ॥ पालघागं प्रकवा मितस्मै इताय निष्पिनं ॥ सुखसुगती मोरु लपुलीय स्वमम प्रज ॥ कवल हानं अमुगज
गजानं इताः उष्य पृथ्व्या इल ॥ ॥ वरुद्वानय गीतं वः दर्भयित्वा सुनीयत् ॥ कवल हानं ननज नम द्वा प्रज वरुद्वानल
पञ्च द्वाघाप ति इहा उना उी चइया वानः ननग रगु प्रकाजं सातनाया नागु चइया इल ॥ गदाय माकू पाइने अमुगजस
मवधीतं ॥ अमुगजसमा गकू तिगु फस्य सन्न नि ॥ ॥ पुनवात् अमुगजगजाया मनसम इइया उल ॥ उगु प्रका
जं असा ॥ ॥ पञ्च विरू नं इ सांपाप पुन्यसिका उीः पथया यगुः पथया यमथी धका सम डयाय माल धका मन नीवि
वाजया ना चय माल ॥ विरू गुफा पिरीद स्वा प्रहर्षित्वा पतिष्ठित ॥ पञ्च विरू हका तुक माल गुफयाय माल ॥ किं कानल

अनुगतं ह्युहायानासीत्पुनरुक्तं ॥ किंकाजलं कृत्वा जलं तिष्ठन्पुनरायातवान्धकाः अनुगतं जातारुसां श्रुत्वा ह्यनुगतं
यायावान् ॥ देहादिमनुजं लोकपापपुल्यं कृत्वा ॥ तत्सर्वं लिखितं पत्रं हवा नृमह्यं पदं भवत् ॥ कृत्वा जलं श्रुत्वा ह्यनुगतं
श्रुत्वा यथायावान्धकाः ॥ ३२ नगदं ह्युहाय लोकपीमनुजं लोकपीरुसां पापपुल्यं यारुलं सासनायानागपीः पुल्यं
रुलं वर्जवासायाकागपीः ॥ धर्मादपीः श्रुत्वा ह्यनुगतं जातं ॥ कायलाः धर्मादपीः पापपुल्यं यारुलं धर्मादपीः
याहयः धर्मादपीः सुनानमिदं यथायदुःखं मयि ॥ योजासीयानिकामनुजः पापपुल्यं यथायदुःखं मयि ॥ योजासीयानिहि
जातारुसां पापं रुक्मं मयि वापीपापी पिंरुसां श्रुत्वा यथावान् ॥ धर्मादपीः श्रुत्वा ह्यनुगतं जातारुसां हानाजं ॥ मम
हं श्रुत्वा यथा ॥ कर्तव्यं धर्मादपीः यथायदुःखं मयि ॥ धर्मादपीः श्रुत्वा ह्यनुगतं जातारुसां धर्मादपीः श्रुत्वा यथा ॥ ॥
धर्मादपीः श्रुत्वा ह्यनुगतं जातारुसां धर्मादपीः श्रुत्वा यथा ॥ धर्मादपीः श्रुत्वा ह्यनुगतं जातारुसां धर्मादपीः श्रुत्वा यथा ॥

अपनन ॥ ॥ अहं नमः शिवाय ॥ अहं नमः शिवाय ॥ अहं नमः शिवाय ॥ अहं नमः शिवाय ॥
 काणपाडिनु नामनं धर्मकृद्दिदयकां ॥ विहायलधपनं ॥ विहायलधपनं ॥ विहायलधपनं ॥ विहायलधपनं ॥
 गुपिगुशधयकाका ॥ ॥ ममजकपिगधर्माकलसुधर्माजानीमखनरुः पासंसाजवृनीपुसंसाजाहाहा
 कृतंभाकमारुलसाधननमगमदलपुस्तानाया ॥ ॥ पुनवालभाडाडिडिमाताः पिगायागुखालरुसागधध
 डान्युगदः अयसमवनंखनयमजाल ॥ कर्तलधसंसायधयागुजाभनियधकासिकीः भाडाडिधनवीनानंम
 जीलः अयसमवनंकागमखन ॥ भाकमार्डडान्युगजहासाधनायायडान्यधकाधुमनगयाः धधर्मकृद्दिद
 यकागुविहायपिहाडयाडिमगधधयागुदधनंनयाडिडिनः अनुजजाजाहमेपियवधिसल ॥
 मगधधलनपुजालाकगुधकृपर्वतपुस्तानन ॥ ॥ अलजामगधधयागुदधवापीलाकसकल्यगुधकृठः

धयागुपर्वतडान्यधकाडानावागुधधने ॥ अनुजजनदला ॥ अनुजजाजानसर्कललाकपीडानावागुखनाडानन ॥ गु
 गुपुकाजंननजाधसा ॥ ॥ हपुजाजाकतवभावयाः हपुजालाकपीडिपीरुतांसर्कल्यगुलडानननाधकान्यना
 वानडुगवधने ॥ मागधधलनपुजालाकनसंराखयाला ॥ हमाहापुपुडिपिजागुधकृपर्वतधयागुपर्वतडाना
 गुभाकमूर्नीदधननभावया ॥ गुभाकमूर्नीवृद्धरगवानइसादधनयाडान्यननाधकाधगुपुकार्लसकलला
 कपिस्यधयावान ॥ ॥ अनुजजननदलावृद्धरगवाननभावयमिवचभजीलकपयावय ॥ अलजाधनुज
 डजाजानंहापावृद्धरगवालयागुनामधनातयागुनमदः अधयाकाजलधनुजजाजाइसाभुडरगभावय
 वायावान ॥ अलहानेधगुसुसवागुविमीसरुताकाकायाकाडिधगुपुकाजंहाजावान ॥ ॥ गुपुकाजं
 हाजावानजाधसा ॥ ममवृद्धरगवानननरुतः नस्मिनामिनदधननभागा ॥ अहं नमः शिवाय ॥ अहं नमः शिवाय ॥
 नयागुनामधुधकृहधननावागुः भाधडगुवृद्धरगवालयागुदधनयायदहकिरागन ॥ मागधधलनपुजा

लोकेन स्मृतावया ॥ ॥ अत्यजा मांगधधया उदधया पुजा लोकनापं अनुतज जाजागृह कृत् पर्वते डान धका डान ॥ अत्य
जागृध कृत् पर्वते धस्य ली ॥ वृद्धरगवा लद धनिन आवया ॥ अत्यजा अरगवाने इ साद धनियाना डीं रुडान्यवाना ॥ कृता
उली धय ॥ जाहानि पां हाक लपा डी विहियाना वान ॥ ॥ पुनवाल अरगवाने ग पी कृता धसा ॥ सर्वल कल स
इकं अविगडे न आका अनगम्यन सह पुने उ उका अन जल बा पुने मानन अ वृद्धरगवा लन ॥ ॥ कर्तल डार
गवाने ग पी कृता धसा स्य निगा ले कल स इ क इया ना कृत् रगवान ॥ हान वये गा वं डन नं स इ क इया वी कृत् आ
हान आका अ धंग म्य या य म डिया डी क इ गु अर्य या उ ग ड इ सा धा वी कृत् ॥ पुनवाल ज ले या पर्वते धं जा डी ल
मान इया वी उः सक रने क ल्या न वाना डी विहियाना वी कृत् ध अ वृद्धरगवा ग या स ल मं लु ल इ हा डाना डी उ रग
वागयाः वजः न क ल्य रा क प्या डी ॥ वंदित्वाः नमस्का ज या ना डी ॥ वृद्धरगवाने अ गु न द स्ता धर्म क धा ० का आवया ॥

अत्यजा अरगवान या न नमस्का ज या ना डीं रुडान्य वा धर्म क धा न्य म्य उ ० का या ना वान ॥ ॥ अरगवान चतु जार्य स
सु धर्म क धा न्य म्य क धा धा कृत् पिठं ॥ अत्यजा अरगवाने चतु जार्य स सु धया उ धर्म क धा इ सां आ न र या ना डी
आ कृत् दय क लं उ उ उ काले धसा ॥ अनुतज जाजा धर्म क धा न न समा धा या रु र्धन रगवाने द स्ता कृता उली मृडा
ह ज ॥ ॥ अत्यजा अरगवान या अ गु वाना डी वान ॥ धर्म क धा न्य ना डीं अनुतज जाजा या मे न अ पु र ह र्य
मान या ना डीं अरगवान या उ र्वा ल स या डी विहियाना वान ॥ रु सं वृद्ध रगवाने डित नं ध गु र व र्पि स सा ज स मृड
नं ध ग क या डीः अ नृत्ता स म्य क वृद्ध रगवाने न कृत् न तं ड ध ज ॥ डी न न अ नृत्ता स म्य क स वृद्ध रगवाने या उ
हान जाग का डीं किरु ने उ प्रा ज या ना धि का य माल ध का विहियाना वान ॥ ॥ सै वृद्ध रगवाने ह कल पु र न
अनुतज जाडन धा तु लि र व ल र व ल धा तु न डी ना म न धा ग रु न ड र्म न ॥ सै वृद्ध रगवाने आ कृत् दय क लं उ उ उ काले
लं आ कृत् दय क ल धसा ॥ रु कल पु र ह धा तु न डी ना कृत् इ सां धा तु लि र व र धया उ लोक धा तु र व न धा तु न डी ना म

तथागुरु इयाडाऊ नमकयाडा नई ॥ कर्बल गथा कृत तथागुरु असा : म हाउ लमनः नृपुरु उरुगु संभक्त सर्वध आय
काडा विद्याया आवाज लं पुरु इयाडा : सुगत नाम ॥ सुगत नाम अयकाडा सकल लोक या विरु स वाउ संपु लं सि
यावाक ॥ महागडा अकपु नृप इयी यक ॥ दवला के नः म नृप लोक न गुर ॥ सकल लोक या देव लोक या म नृपः
लोक या उरु इयाडा वृद्ध रगवान इयकाडा नो ॥ अउ पुकाले श्री सर्वध रगवान नं आरु पितं आरु दय क लं ॥ अ
नुग जाजा या ॥ ॥ कर्बल अली आरु नय नाडा ॥ अनुग नवद रगवान संमृष्टं दृष्टा किताडुली मृडा ह
ज ॥ अली इता रगवान या उरु राल अयाडा विमिया ॥ ग थ डक विमिया न असा ॥ संसा अरय यव अरु केन ॥
हेरगवान हवृद्ध डिगु इता अ संसा अरय अया उ म दयेकं प्रव अरु स व ल्य या यकाडा वि काय मा ल डिगु हेरगु ॥
अका अउ पुकाले विमियो ना वीन ॥ ॥ अनुग जाजा विरु मुड न श्री वृद्ध रगवान नव वृ विरु न ह रने

अनुग जाऊ नमि अ क द न न ॥ ॥ हेरगवान हवृद्ध डिगु इता संसा अरय म दयकाडा प्रव अरु स व ल्य या
का वि काई ॥ अउ पुकाले अनुग जाजा न विमिया नाडा ॥ विरु इता उरु इयका वान ॥ न ल जा श्री सर्वध रगवान
नं ॥ अनुग जाजा या विरु मुड इगु सियकाडा : रगवान नं व क या विरु द या वाउ ॥ ह र ॥ अउ १ डाडा मा हा न
इता अत ह याडा अनुग जाजा या अज इता थियाडा वि का ॥ ॥ श्री वृद्ध रगवान ह र न मियं नाग
न ॥ अल जा अनुग जाजा या रगवान थिया विगु मा नं ॥ सिखा अयः भाग स इता द क क द न इयाडा म
अना अ इयाडा नं ॥ ॥ अल जा सर्वध रगवान सिखी लका पिं लु पा रे न ॥ अल जा रगवान नं इता सिखी ली
का पिं लु पा उ इता लडा का ना विल अनुग जाजा या ॥ ॥ अल जा उ उ व र्ध न ॥ अनुग जाजा इता सर्वध र
गवान या रि इ इयाडा स व क इया वीन ॥ स र म लु ल न रि क ग ल न अनुग उ डा ज ल विरु विल म य ॥ पुन व
ल उ उ स र म न द ले वी ना वी पी रि क पिं ल क सियां अउ र न आ अय बा या वीन ॥ अनुग जाजा न सा ज ल उ अ इयाडा
७४

अथाङ्गिद्विगुणपीनविरुद्धशक्त्याऽप्यर्थसाधना ॥ श्रीबृद्धहृदयानयाऽष्टावलि ॥ अथाङ्गिद्विगुणपीनविरुद्धशक्त्याऽप्यर्थसाधना ॥ ॥
 गन्धविक्रियानां नानाभासाः ॥ हृदयगवनेन तस्मात्तुलनेनैवैकसर्वज्ञज्ञानप्राप्तये ॥ गन्धऽङ्कविनियान्ता ॥
 साः हृदयगवनेन च सूर्यः पुष्पस्यैव कल्पपालं तस्मात्तुलनं गन्धसंयुक्तसर्वज्ञज्ञानप्राप्तये ॥ अथाङ्कविनियान्ता ॥
 यस्यासि यथाकां तस्मात्तुलनं गन्धऽङ्कविनियान्ता ॥ केन पुनर्यत्र तलपनेन च हृदिपि ॥ अथाङ्कविनियान्ता ॥
 लयस्यानाङ्गिद्विगुणपीनविरुद्धशक्त्याऽप्यर्थसाधना ॥ हृदयगवनेन तस्मात्तुलनेनैवैकसर्वज्ञज्ञानप्राप्तये ॥ गन्धऽङ्कविनियान्ता ॥
 अथाङ्कविनियान्ता ॥ हृदयगवनेन तस्मात्तुलनेनैवैकसर्वज्ञज्ञानप्राप्तये ॥ गन्धऽङ्कविनियान्ता ॥
 कलं हृदयगवनेन तस्मात्तुलनेनैवैकसर्वज्ञज्ञानप्राप्तये ॥ गन्धऽङ्कविनियान्ता ॥
 अथाङ्कविनियान्ता ॥ हृदयगवनेन तस्मात्तुलनेनैवैकसर्वज्ञज्ञानप्राप्तये ॥ गन्धऽङ्कविनियान्ता ॥
 अथाङ्कविनियान्ता ॥ हृदयगवनेन तस्मात्तुलनेनैवैकसर्वज्ञज्ञानप्राप्तये ॥ गन्धऽङ्कविनियान्ता ॥

[illegible]

[illegible]

ॐ लंखन उत्तुकायलः ॥ लंखन भुजल पल्लव कथल समानन ॥ लंखन दवी वासन ॥ लंखन ॥ लंखन पुमानन ॥
उत्तुकायल ॥ लंखन पुमानन ॥ लंखन भुजल पल्लव कथल समानन ॥ लंखन दवी वासन ॥ लंखन ॥ लंखन पुमानन ॥
याका वास दयी ॥ ॥ धर्म भुजल पल्लव कथल समानन ॥ लंखन दवी वासन ॥ लंखन ॥ लंखन पुमानन ॥
सुख लंगनः ॥ लंखन काय वृद्ध लंगन न कथल कथल कथल ॥ लंखन दवी वासन ॥ लंखन ॥ लंखन पुमानन ॥
संलक्षित वास याका ॥ लंखन दवी वासन ॥ लंखन ॥ लंखन पुमानन ॥
काल सश्या ॥ लंखन दवी वासन ॥ लंखन ॥ लंखन पुमानन ॥
मानन पुर्नमासी ॥ लंखन दवी वासन ॥ लंखन ॥ लंखन पुमानन ॥
मानन पुर्नमासी ॥ लंखन दवी वासन ॥ लंखन ॥ लंखन पुमानन ॥
स्वानया हल ॥ लंखन दवी वासन ॥ लंखन ॥ लंखन पुमानन ॥

दयलं॥

॥ १०४८ मिः ॐ वृषदि ॥

ASIAN ARCHIVES

I

163

STEWART HALL